रागम् : कानड
ताळम्: आदि

पल्लवि
□न्दमुग ई कध विनवे रजता चल सदना परि हसित
विनिन्दितारविन्द चन्द्र वदना कुन्द ब्रुन्द सुन्दर रदना

□ नुपल्लवि
मन्द यान दशरथ वसुधेशुडु मान्य यशुडु □ योध्या कान्तुडु
पोन्दुग तनयुलु लेनन्दुकु वग चेन्दि वसिष्तुनि जेरि पल्के सा

चरणम्-१
मनवि विनुमु स्वमि नाकिक श्रीमन्तुलै सुतुलु ऐ वेरपुन
जनियिञ्चेद रात्मज हीनुनकु धनम्बु सुख तरम्बु कादु कदा
□ निन राजु कनिये ना वशिष्तुडु जन नायक नीकु कोडुकुलु
घनुलु मलय शोधनुलु नल्वुरिक गल्गोदरन्दु कुपायमु गल दने सा

चरणम्-२
शान्तुडैन रुष्यश्रुङ्ग मौनीश्वरुनि बिलुवनम्पु मीवु वितान्त
पुत्र कामेष्टि निरन्तर सन्तोष स्वान्तुडवै योनरिम्पुमु
□ न्तयु त्वरगा ननुडुनु शान्ता कान्तुनि राविञ्चि रिपु दुर्धान्तुडु
मुनिपरिव्रुतुडै सरयुवु चेन्त यञ दीक्ष चेकोनि निलचे सा

चरणम्-३
वेद मन्त्रमुलु बलुकुचु शुचियै वेल्वग हुतवहुडु हव्यमु
सादरमुन गैकोनि तग प्रदक्षिणादुललर ज्वलियिञ्चेनु प्रभुडै
खेद हरुडु यञेशुडु दशरध मेदिनीश्वरुनकु शुभ
सम्पादकमगु पायस पात्र मोसगि परमात्मुडु सुतुडगु नीकने चने सा

चरणम्-४
ललिनलरिरि मौनुलु लब्ध मनोरथुडै दशरथुडु मुदमुन
जेलगुचु रुष्यश्रुङ्ग वशिष्ठुल चे ननुञगोनि हविस्सुवेडुकनु
कलितगुणुडु कौसल्यकु सगमुनु कैककु सग मोसग वारलु देलिसि
सुमित्रकु तम यम्शम्बुलन्देलमि सगमु सगमोसगिरि विरता

चरणम्-५
परमान्नमु भुजियिञ्चिन मुव्वुरु तरुणुलु गर्भिणुलै वेलिगिरि
निरतमु सुर कान्तलनग तोम्मिदि नेललु निण्ड कौसल्य गने सुतुनि
परग चैत्र शुद्ध नवमिनि पुनर्वसु नक्षत्रमुन सुमनोहर
कर्काटक लग्नमुननु शेषाचलेशुडगु हरि जनियिञ्चे सा